WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours PART-II Examinations, 2018

HINDI-HONOURS

PAPER-HINA-III

Time Allotted: 4 Hours　　　　Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 　　1×10 = 10

(क) 'सेवासदन' को उर्दू में किस नाम से जानते हैं ?

(ख) प्रेमचन्द को 'उपन्यास सम्राट' की उपाधि किसने दी ?

(ग) मोहन राकेश किस कहानी आंदोलन की 'त्रयी' से संबंधित हैं ?

(घ) रामचन्द्र शुक्ल ने किस कहानी को हिंदी की पहली कहानी माना है ?

(ङ) पाल गोमरा का वास्तविक नाम बताइए।

(च) 'ताँबे के कीड़े' किसकी रचना है ?

(छ) 'अंग्रेजी ढंग का नॉवेल' और भारतीय उपन्यास-शीर्षक समीक्षात्मक निबंध किसने लिखा है ?

(ज) 'उपन्यास का इतिहास' पुस्तक के लेखक का नाम बताइए।

(झ) 'कहानी: नई कहानी' के रचनाकार का नाम बताइए।

(ञ) रामगुप्त कौन था ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>तीन</u> गद्यांशों की व्याख्या कीजिए। 　　10×3 = 30

(क) आर्य! आप बोलते क्यों नहीं ? आप धर्म के नियामक हैं। जिन स्त्रियों को धर्म-बँधन में बाँधकर, उनकी सम्मति के बिना आप उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिकार-कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपत्ति में अवलम्ब माँग सकें ? क्या भविष्य के सहयोग की कोरी कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं ?

(ख) आटे की लोई बनाते समय लछमा के छोटे-छोटे हाथ बड़ी तेजी से घूम रहे थे। कलाई में पहने हुए चांदी के कड़े जब कभी आपस में टकरा जाते, तो खन्-खन् का एक अत्यन्त मधुर स्वर निकलता। चक्की के पाट पर टकराने वाली काठ की चिड़ियों का स्वर कितना नीरस हो सकता है, यह गुसाईं ने आज पहली बार अनुभव किया।

(ग) बाद में, रिटायरमेंट के बाद से मृत्युपर्यंत शास्त्री जी ''जै राम जी की'' के नाम से ही रामपुर में प्रसिद्ध रहे। कहते हैं कि शास्त्री जी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु को एक लम्बा मीमांसा-परक और तत्वज्ञान से भरपूर-जिसमें काव्यशास्त्र, पुराण और स्मृतिग्रंथों के अर्थवान उद्धरण थे – पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने रामपुर का नाम बदलकर गोपालपुर अथवा राधाग्राम करने के पक्ष में तर्क दिये थे।

(घ) खैर दाखिला हुआ, पर आज कल लड़कियों के लिए कालिज आना जाना कोई हँसी खेल नहीं है। लगता है पूरा शहर शोहदों और गुण्डों से भरा पड़ा है। लड़की देखते ही भेड़ियों की तरह झपटते हैं।

(ङ) खैर, यह तो मजाक है, पर मैं यह मानता हूँ, मेरा यह यकीन है कि दुनिया के सब गोले-बारुद एक आदमी की मर्जी से चाहे वह हजारों मील दूर बैठा हो, फट सकते हैं।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों का आलोचनात्मक उत्तर दीजिएः– 12×3 = 36

(क) सेवासदन के आधार पर स्त्री-जीवन की प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण कीजिए।

(ख) समस्या प्रधान नाटक के रूप में ध्रुवस्वामिनी की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'पिता' और 'वापसी' कहानियों की तुलना करते हुए उनकी युगीन प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(घ) 'उत्तर-आधुनिकता' की विशेषताओं के परिप्रेक्ष्य में 'पॉल गोमरा का स्कूटर' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

(ङ) 'एब्सर्ड नाटक का तात्पर्य बताते हुए भुवनेश्वर के 'ऊसर' नाटक की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>चार</u> पर टिप्पणी लिखिए :– 6×4 = 24

(क) 'वापसी' शीर्षक की प्रासंगिकता।

(ख) 'अकेली' की मूल संवेदना।

(ग) 'भोली' का चरित्र-चित्रण।

(घ) नुक्कड़ नाटक।

(ङ) आदर्शोन्मुख यथार्थवाद।

(च) समांतर कहानी।

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Honours PART-II Examinations, 2018

HINDI-HONOURS

PAPER-HINA-IV

Time Allotted: 4 Hours | Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 1×10 = 10

(क) मैथिलीशरण गुप्त को 'साकेत' की प्रेरणा महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के किस लेख से मिली ?

(ख) जयशंकर प्रसाद की सर्वप्रथम छायावादी कविता कौन-सी थी ?

(ग) 'संसद से सड़क तक' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(घ) 'पत्रहीन नग्न गाछ' किसकी रचना है ?

(ङ) डॉ० दूधनाथ सिंह द्वारा निराला पर लिखित आलोचनात्मक कृति का नाम लिखिए।

(च) 'नागार्जुन का रचना-संसार' के लेखक कौन हैं ?

(छ) हिन्दी का आधुनिक कबीर किस कवि को कहा जाता है ?

(ज) 'कामायनी' पर किस दर्शन का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है ?

(झ) 'मौन भी अभिव्यंजना है।'– किसकी पंक्ति है ? पूरा नाम लिखिए।

(ञ) 'प्रणभंग' के रचनाकार कौन हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :– 10×3 = 30

(क) '' ओ जीवन की मरु-मरीचिका, कायरता के अलस विषाद!

ओ पुरातन अमृत! अगतिमय मोहमुग्ध जर्जर अवसाद!

मौन! नाश! विध्वंस! अंधेरा! शून्य बना जो प्रकट अभाव,

वही सत्य है, अरी अमरते! तुझको यहाँ कहाँ अब ठाँव।''

(ख) अन्यथा, जहाँ है भाव शुद्ध
साहित्य-कला-कौशल-प्रबुद्ध,
हैं दिये हुए मेरे प्रमाण
कुछ वहाँ, प्राप्ति को समाधान,–
पार्श्व में अन्य रख कुशल हस्त
गद्य में पद्य में समाभ्यस्त।

(ग) जनबल धनबल सभी जुटेगा
हथियारों की कमी न होगी
लेकिन अपने लेखे इसको
हर्ष न होगा, गमी न होगी
सब के दुख में दुखी रहेगा
सब के सुख में सुख मानेगा
समझ-बुझकर ही समता का
असली मुद्दा पहचानेगा

(घ) रूपाश्रय तेरा तरुण गात्र,
कह, वह कब तक है प्राण-पात्र,
भीतर भीषण कंकाल मात्र,
बाहर-बाहर है टीम-टाम।
ओ क्षणभंगुर भव, राम-राम!

(ङ) हम निहारते रूप
काँच के पीछे
हाँफ रही है मछली
रूप-तृषा भी
(और काँच के पीछे)
है जिजीविषा।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :— 12×3 = 36

(क) यशोधरा में व्यक्त नारी चिंतन पर प्रकाश डालिए।

(ख) ''राष्ट्रीयता मेरे व्यक्तित्व के भीतर से नहीं जन्मी, उसने बाहर से आकर मुझे आक्रांत किया।''— इस कथन के आलोक में दिनकर की राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'जल प्लावन भारतीय इतिहास में एक ऐसी प्राचीन घटना है, जिसने मनु को देवों से विलक्षण, मानवों की एक भिन्न संस्कृति प्रतिष्ठित करने का अवसर दिया'— कामायनी के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(घ) अज्ञेय के काव्य की भाषिक-विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'मौचीराम' कविता की अन्तर्वस्तु और शिल्प को समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए :— 6×4 = 24

(क) प्रसाद जी की काव्य भाषा

(ख) मुक्त छंद

(ग) शोकगीत के रूप में 'सरोज स्मृति'

(घ) 'नदी के द्वीप' का प्रतिपाद्य

(ङ) मुक्तिबोध और फैंटेसी

(च) साठोत्तरी कविता का भाव पक्ष